05/02/2015; Issue 038 ` 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in

पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्लि कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछ्या अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

तु में हीरो भो

अस अपु गभुरु शिचालते कीं बोडी के इज्जत करीण। बोलु 'नमस्ते', 'बोडी के नउ ना देण'। गभुरु शिचण तकर अस शिचालते। मेहमान हें गी ऐइएल त अस सुआ इज्जत कते त तन्के ख्याल रखते। भारत सुआ मशहुर असा पूरे दुनिये अन्तर मेहमानी के आदर करण जे। अचानक अओ मेहमान जे अस कपले बी रोठि बणांते, से यक आम बोक भो; अबल बछाण पुठ मेहमानी उंघाणते; अपु गी अओ मेहमानी के हर कनारा खरी देखभाल कते। पर, अपु खास रिश्ती अन्तर अस अत गौर ना कते। बियाह केंआ पता अबल-अबल चीज धणि-जुएली जे अणता; हर बोक अन्तर तरीफ कता; 'कति अबल अस'। तेस टेम इ लगुतू कि अउं अपु धणि या जुएली जे खास असी, त अपु-अपु रिश्ता अबल लगता। पर बियाह केंआ पता थोड़े साल अन्तर ख्याल त प्यार, अबल आदती के कि भोइ घेन्तू? अत साल साते बिश-बिश से एकेकि महत्व बिसरी घेन्ते। **बियाह केंआ पहले मड़द जिल्हणु दिल जीतणे कोशिश कते। दिल जीतण जे अबल-अबल गिफ्ट, तरीफ त किछ बी करण जे तैयार भुन्ते। जपल जिल्हणु दिल जीत घिएल तउं सोब किछ बन्न भोइ घेन्तू। अठिया त सम्सया शुरु भोइ घेन्ती। आम तौर पुठ बियाह केंआ बाद, अपु जिन्दगी अन्तर सोभि टेम प्यार अन्तर बढ़णे कोशिश करीण।** कथा: **रजू अपु कम केंआ गी ऐइगा त अपु कमरे घेइ कइ झणे बदलण लगो थिआ। 'चाह बणो असी ना'? हक दीति। मीना बोलु, 'अउं बणांती'। दुहि अपेपु बुच एकेकि हाल-चाल ना पुछा, ना एकेकि धे हेरु, ना एकेकि जोइ छुइए त ना एकेकि जे बोलु 'तें दिन कीं गा'। मीना अपु गीहे कम अन्तर मस्त थी। चाह बणाइ कइ रजु अगर मेज पुठ रख कइ अपु कम करण लग गई। रजु टी.बी. हेरण मस्त थिआ, तेन धन्यवाद बी ना बोलु त हेरु बी नऊ। तढ़िया पता रजु बोलु, 'आज बियदी मेइ अपु चाचा चाची रोठि खाण जे भिओ असे। मउं भाड़ असी कि तु सुसर रोठि बणांती। अउं छते कटाण जे घेन्ता त तु सोब कम करीण दे! मीना किचन अन्तर घेइ गई त रजु दुबारी टी.बी. हेरण लग गा। रजु त मीना दुहे अपु रिश्ते अन्तर इ नेइ भो कि दुहे खुश नेइ। पर सुआ साल अन्तर दुहि येकि होरि महत्व घटाई छओ असा।** धणि-जुएली बुचा कौं जेई बहारा कमोइ कइ ऐइयाल त से एकेकि हाल-चाल पुछणे बजाए होरी के हाल-चाल पुछते; कौं मेहमान भोल त तन्के हाल-चाल पुछते त अपु होर कम लग घेन्ते। रोज इहरु भोल त इ लगुतू कि अब मउं केंआ रजि गओ असा या असी; मन घेइ लगती। एकेकि ख्याल ना रखिएल त ध्यान बी ना दिएल तउं गलत फेहमी भोइ सकती। छोटि-छोटि चीज अन्तर प्यार त खुशी दी सकते पर अस सुआ जेइ ईं ना कते। अस अपु मेहमानी जोइ इ थोड़ि कते ना? *अस अभेंई बी, "Thankyou धन्यवाद" बोते ना? या एकेकि पुछ कइ कम कते ना? 'तुस सोचते ना? इ कम भोइ घेन्तू ना?' 'तउ जे इ ठीक असु ना?'*

इ वाक्य बतांते कि अभेई सुआ साल केंआ बाद बी अस धणि-जुएली यकि होरी ख्याल रखते। असे टाइमि त ख्याल रखणे परवाह कते पर एकेकि हाल-चाल पुछणे परवाह कते ना? यक खास हेरुण, पुछण, छुण.....असी अबल महसूस भुन्तू। सोबी पता असा कि दुहि दुबारी साते बिशुण कत अबल लगुतू। हें जिन्दगी अन्तर, हें धणि या जुएली खास मेहणु भो ना? तउं जपल से बहरी केंआ सुसर ऐइएल त असी हरालुण कि तस दुबारी सुसुर हेर कइ अस सुआ खुश असे। जिन्दगी सुआ छोटि असी। धणि-जुएली अपु जिन्दगी अन्तर येकि-होरी महत्व कदि घट ना समझण। दुहि एकेकि महत्व समझण त छोटि-छोटि चीज या बोक पुठ ध्यान देण। किछ अबल आदत ना छड़ देण जीं 'अच्छा त अउं गा', 'मठे गा, बथ हेर कइ गा, अपु ख्याल रख', 'अउं ऐइगा'। प्यार सिर्फ अपु मन अन्तर ना रखण, प्यार बोकि त किछ कर कइ हरालण। अलग-अलग तरीके जोइ छोटि-छोटि चीज अन्तर अस धणि या जुएली कत खास असे, हरालण। असी होरी केआं जीं उम्मिद रखते, तेहाणि असी होरी जे बि करुण। किस कि तें धणि या जुएली तें हीरो या हीरोइन भो।

मेला

यक ग्रां मेला लगो थिआ। बबली त पिंकी मेला हेरण जे घेण लगी। तन्के भाइ बीटू बोलुण लगा, 'ठेहरे, अउं बी तुसी जोइ ऐन्ता'। टहो भाई-भेण मेला हेरण जे घेइ गअ। मेले अन्तर मिठाई दुकान हेर कई पिंकी बोलुण लगी, 'बबली देइया, ट्यारी देइया, मउं जिलेबी खांण असी'। बबली जलेबी खरीदी त पिंकी धे दी कइ बोलु, 'पिंकी जिलेबी हथ धोइ कइ खां'। पर पिंकी हथ ना धोए। बस झठ-झठ जिलेबी खेइ त हंठण लग गई। अगर घेइ कइ तेन आम काए। अपु भाइ बिटू पेंट केंआ टई कइ बोलुण लगी, 'बिटू भउआ, टियारे भउआ, अउं आम खांती'। बिटू आम खरीदे त पिंकी धे दी कइ बोलु, 'आम धोइ कइ खा'। पर पिंकी आम ना धोए। बस झठ-झठ आम खाइ कइ अगर घेइ गई। बबली त बिटू सोब किछ हेरण लगो थिए। बियदी जे टहो जेइ घुम कइ गी पुज गअ। गी पुजते त पिंकी उल्टी भुण लग गई। ईये पुछू, 'कि गभुरो, पिंकी कि भो असु'? बिटू मेले सोब बोक अपु ईया जे लइ छेई। ईये पिंकी दवा पिआइ त पिंकी उंघ गई। जिखैइ पिंकी उंघीया खड़ी त तिखेईं तसे ईये समझाइ, "कुइए, हेर तें दुहे भाई-भेण कीं खेलण त दौड़ूं लगो असे। पर तु बीमार भोइ गई। इस दुनिये अन्तर हंठण जे स्वस्थ शरीर भुण जरुरी असा"। पिंकी बोक समझ गई। बोली, 'ईया, इढ़िया पता अउं हमेशा हथ धोइ कइ खांती। फल बी धोइ कइ खांती।'

कुछ खास खबर

- 26 जनवरी 2015 पंगेई बी 66 वॉ गणतंत्रा दिवस मना, त गभुरु के धे मिठयाई बी बन्टी।
- 19 फरवरी केंआ पंगेई जुकारु त्हयार बी शुरु असा। इस त्हयार अन्तर सोब अपु सकि नति के जकरु घेन्ते।

रामु, जगु जे बोलु कि "तें कुवा सुआ नलाइक असा!" त जगु बोता... बबीता

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

एड़स बीमारी इन्सान जोइ यक लिंगि सम्बन्ध बणाणे बोलि कसे बी एड़स एइ घेन्ता।... कॉंडोम सिर्फ 18% सुरक्षा कता।... एड़स मेहणु के जिसम अन्तर कम से कम 7 केआं 10 साल तकर कोइ लक्ष्ण नजर न ऐन्ते।